CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

07 Jan. 2025

ABHAY SIR

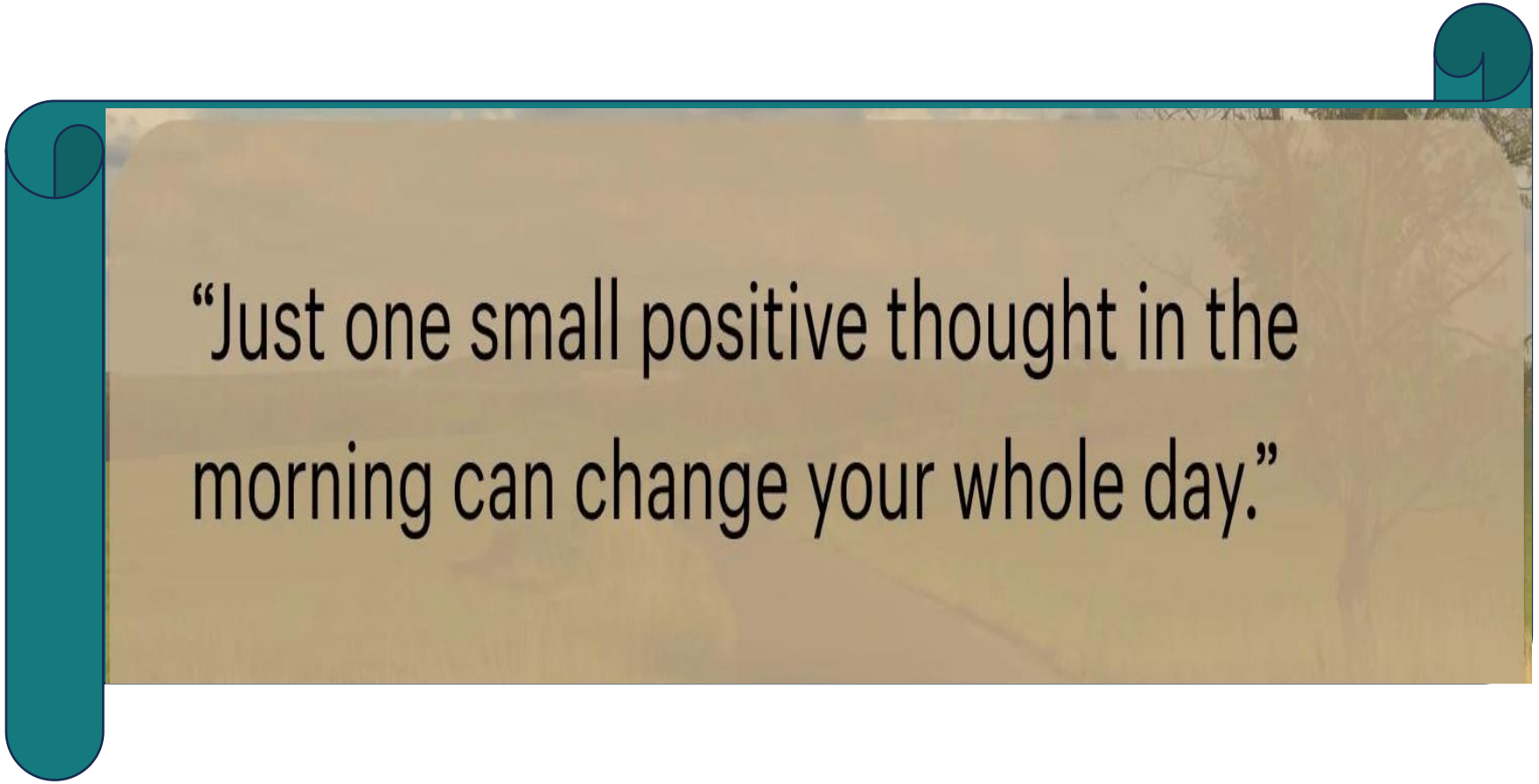

“Just one small positive thought in the morning can change your whole day.”

- **Topic 1:–** भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान के नए परिसर का उद्घाटन

- **Topic 2:–** ‘‘वस्त्र मंत्रालय वर्ष 2030 तक 300 बिलियन डॉलर के बाजार आकार तक पहुंचने और वस्त्र मूल्य श्रृंखला में 6 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है’’ - श्री गिरिराज सिंह

- **Topic 3:–** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंगाल में नहीं होगी लागू

- **Topic 4 :–** तमिलनाडु सरकार देगी हड़प्पा लिपि को पढ़ने वाले को एक मिलियन डॉलर का पुरस्कार।

- **Topic 5 :–** विश्व व्यापार संगठन (WTO) और मराकेश समझौते के 30 वर्ष

भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान के नए परिसर का उद्घाटन

❖ **यूपीएससी के महत्वपूर्ण पहलू**

मुख्य परीक्षा (Mains):

❖ GS-1: भारतीय समाज, संस्कृति, और हस्तशिल्प से जुड़े मुद्दे।

❖ GS-3: उद्योग, रोजगार, MSME, और हथकरघा क्षेत्र में सुधार।

निबंध (Essay): भारतीय कारीगरी, स्वदेशी उद्योग, और आत्मनिर्भरता।

- साक्षात्कार (Interview): IIHT, हथकरघा तकनीक, और ग्रामीण विकास से जुड़े सवाल।
- केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह के द्वारा नादिया जिले (पश्चिम बंगाल) के फुलिया में भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान के नए परिसर का उद्घाटन किया गया।
- परिसर के उद्घाटन का उद्देश्य:– पश्चिम बंगाल के साथ ही बिहार, झारखंड और सिक्किम के छात्रों को शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना

Source:– PIB

1. हथकरघा उद्योग और अर्थव्यवस्था में भूमिका

- दुनिया के सबसे बड़े पारंपरिक उद्योगों में से एक है भारत का हथकरघा उद्योग।

- **हथकरघा उद्योग योगदान :–**

- ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन करता है
- आत्मनिर्भर भारत (Atmanirbhar Bharat) में योगदान देता है।
- हथकरघा क्षेत्र में महात्मा गांधी के "स्वदेशी" दर्शन का प्रतिबिंब दिखाई देता है।

2. भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (IIHT) का योगदान

- A. IIHT आधुनिक तकनीक को हथकरघा क्षेत्र में लागू करने में मदद करता है।
- B. परंपरागत कला को संरक्षित करते हुए उद्योग की उत्पादकता और गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक।
- C. IIHT हथकरघा उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करता है।

3. योजना और पहल

- A. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (NHDP): इस योजना के तहत हथकरघा तकनीक को बढ़ावा देने के लिए IIHT का प्रमुख योगदान है।
- B. क्लस्टर डेवलपमेंट प्रोग्राम: IIHT हथकरघा कारीगरों को प्रशिक्षण और बेहतर डिज़ाइन तकनीक प्रदान करता है।
- C. डिज़ाइन इनोवेशन और अनुसंधान: IIHT डिजाइनिंग, बुनाई तकनीकों और रंग संयोजन में नवाचार करता है।

4. संस्कृति और विरासत

- A. हथकरघा उत्पाद जैसे बनारसी साड़ी, कांजीवरम, पाटन पटोला, और पश्मीना शॉल भारतीय कला और संस्कृति का हिस्सा हैं।
- B. IIHT इन परंपरागत उत्पादों को संरक्षित करने और उनका आधुनिकरण करने में मदद करता है।

5. प्रमुख चुनौतियां

- A. पारंपरिक बुनकरों की घटती संख्या।

Result Mitra

❖ B. प्रतिस्पर्धात्मक वैश्विक बाजार।

❖ C. हथकरघा उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांडिंग में कमी।

❖ D. आधुनिक मशीनों का दबाव।

6. समाधान और IIHT की भूमिका

❖ A. प्रशिक्षण और कौशल विकास।

Result Mitra

- B. ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देना।
- C. आधुनिक तकनीक और डिज़ाइन में नवाचार।
- D. हथकरघा कारीगरों को वित्तीय सहायता और क्रेडिट योजनाएं।

Q. IIHT और हथकरघा उद्योगभारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (IIHT) का हथकरघा उद्योग के लिए क्या योगदान है?

(a) यह शोध और नवाचार को बढ़ावा देता है
(b) यह शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है
(c) यह उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए नए उपकरणों का विकास करता है
(d) उपरोक्त सभी

Result Mitra
"वस्त्र मंत्रालय वर्ष 2030 तक 300 बिलियन डॉलर के बाजार आकार तक पहुंचने और वस्त्र मूल्य श्रृंखला में 6 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है" - श्री गिरिराज सिंह

❖ भारत में वस्त्र उद्योग का एक लंबा और समृद्ध इतिहास है।

❖ यह उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और देश के सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

❖ **वस्त्र उद्योग का महत्व**

1. आर्थिक योगदान: वस्त्र उद्योग भारत की जीडीपी में बड़ा योगदान देता है और यह दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है।

❖ A. GDP में योगदान:

❖ वस्त्र उद्योग का भारत की GDP में लगभग 2% योगदान है।

❖ यह उद्योग भारत के निर्माण क्षेत्र (manufacturing) के GDP में करीब 7% योगदान देता है।

2. निर्यात में योगदान:

❖ भारत से होने वाले कुल निर्यात में वस्त्र और परिधान क्षेत्र का हिस्सा लगभग 12% है।

3. रोजगार:

- वस्त्र उद्योग कृषि के बाद भारत में सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला क्षेत्र है।
- यह उद्योग करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में।
- यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है।

4. कृषि से जुड़ाव: वस्त्र उद्योग कृषि क्षेत्र से सीधे जुड़ा हुआ है, क्योंकि यह कपास, जूट, रेशम, और ऊन जैसे कच्चे माल का उपयोग करता है।

5.वैश्विक पहचान:भारत कपास, रेशम, ऊन और हस्तनिर्मित वस्त्रों के उत्पादन में विश्व में अग्रणी स्थान पर है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा कपास उत्पादक है।

❖ **प्रमुख क्षेत्र**

1. **हथकरघा और हस्तशिल्प:** भारत में पारंपरिक हथकरघा उद्योग एक सांस्कृतिक धरोहर है। बनारसी साड़ी, कांजीवरम, चिकनकारी, और पटोला जैसे उत्पाद विश्वप्रसिद्ध हैं।

2. **कपास उद्योग:** भारत कपास उत्पादन में विश्व में अग्रणी है। गुजरात, महाराष्ट्र, और मध्य प्रदेश कपास उत्पादन के प्रमुख राज्य हैं।

3. **रेशम उद्योग:** भारत रेशम उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान रखता है। कर्नाटक, तमिलनाडु, और असम रेशम उत्पादन के केंद्र हैं।

4. **जूट उद्योग:** पश्चिम बंगाल भारत में जूट उत्पादन का मुख्य केंद्र है। यह उद्योग मुख्य रूप से बोरों और थैलों के उत्पादन में उपयोग होता है।

❖ चुनौतियाँ

1. अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा: चीन और बांग्लादेश जैसे देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।

2. प्रौद्योगिकी का अभाव: छोटे और मझोले उद्योगों में आधुनिक तकनीकों की कमी है।

Result Mitra

3. **कच्चे माल की लागत:** कच्चे माल की बढ़ती कीमतें उत्पादन लागत को प्रभावित करती हैं।

4. **पर्यावरणीय मुद्दे:** उद्योग से उत्पन्न प्रदूषण एक बड़ी चिंता का विषय है।

❖ सरकारी प्रयास

1. **पीएम मित्रा योजना:** मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाने के लिए।

Result Mitra

2. हथकरघा और हस्तशिल्प योजनाएँ: पारंपरिक शिल्पकारों को बढ़ावा देने के लिए।

3. टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन फंड स्कीम (TUFS): उद्योग को आधुनिक बनाने के लिए।

4. निर्यात प्रोत्साहन योजनाएँ: भारतीय वस्त्रों को वैश्विक बाजार में बढ़ावा देने के लिए।

फसल बीमा
योजना
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बंगाल में नहीं होगी लागू

❖ **महत्व (Importance for UPSC)**

1. प्रीलिम्स:

❖ योजना के उद्देश्य, प्रीमियम दर और कवर की गई फसलों से संबंधित सवाल पूछे जा सकते हैं।

2. मेन्स:

❖ जीएस पेपर 3 (अर्थव्यवस्था, कृषि, आपदा प्रबंधन):

❖ योजना के प्रभाव, लाभ और चुनौतियों का विश्लेषण।

- कृषि क्षेत्र में सरकारी नीतियों का योगदान।

3. निबंध:

- "कृषि संकट और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना" जैसे विषय पर लिखा जा सकता है।

- ममता बनर्जी सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को राज्य में लागू नहीं करने का निर्णय लिया।

- राज्य के कृषि मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने केंद्र सरकार को बताया है कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू नहीं करेगी ।

- पश्चिम बंगाल सरकार के द्वारा स्पष्ट किया गया कि केंद्र की इस योजना की जगह राज्य की मुख्यमंत्री कृषक बंधु व कृषक बीमा योजना को जारी रखेगी।
- राज्य के कृषि मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि बंगाल का कृषि क्षेत्र के लिए बजट 9,800 करोड़ रुपये का है।
- केंद्र की ओर से विभिन्न योजनाओं के लिए जो फंड दिया जाता है, वह इसके पांच प्रतिशत से भी कम है।
- उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को गुजरात, बिहार, तेलंगाना, झारखंड, आंध्र प्रदेश व पंजाब जैसे राज्यों ने भी अभी तक अपने यहां लागू नहीं किया है।

- बंगाल में मुख्यमंत्री कृषक बंधु योजना के तहत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें प्रति वर्ष दो फसलों के लिए 10,000 रुपये की सहायता शामिल है।

- वहीं कृषक बीमा योजना के तहत किसानों को बीमा कवरेज प्रदान किया जाता है, जिसमें मृत्यु या दिव्यांगता की स्थिति में दो लाख रुपये तक की सहायता शामिल है।

- बंगाल सरकार ने राज्य में आयुष्मान भारत योजना को भी अब तक लागू नहीं किया गया।

- इसकी जगह 'स्वास्थ्य साथी योजना' चला रही है।

- प्रधानमंत्री आवास योजना को भी बंगाल में नाम बदलकर चलाया जा रहा है।
- जिस कारण कारण केंद्र ने उक्त योजना के लिए फंड रोक दिया है।
- मुख्यमंत्री कृषक बंधु योजना और मुख्यमंत्री कृषक बीमा योजना पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा किसानों की सहायता और सुरक्षा के लिए शुरू की गई दो महत्वपूर्ण योजनाएँ हैं।
- इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना और उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों से बचाना है।

- **1. मुख्यमंत्री कृषक बंधु योजना:**
- **लॉन्च वर्ष:** 2018
- **लक्ष्य:** किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करना।

- **मुख्य विशेषताएँ:**

- 1. आर्थिक सहायता:

- 1 हेक्टेयर या उससे अधिक भूमि वाले किसानों को ₹10,000 प्रति वर्ष प्रदान किए जाते हैं।

- छोटे और सीमांत किसानों को ₹4,000 प्रति वर्ष तक की सहायता मिलती है।

2. **भुगतान:** यह राशि दो किस्तों में दी जाती है - एक रबी सीजन और एक खरीफ सीजन के लिए।

3. **लाभार्थी:** इस योजना का लाभ भूमिधारक किसान (पंजीकृत) ले सकते हैं।

2. मुख्यमंत्री कृषक बीमा योजना:

❖ **लॉन्च वर्ष:** 2019

❖ **लक्ष्य:** किसानों को दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना।

Result Mitra

मुख्य विशेषताएँ:

- 1. बीमा कवर:
- योजना के तहत किसानों को ₹2 लाख तक का बीमा कवर दिया जाता है।
- **2. कवर की शर्तें:**
- यदि किसान की मौत दुर्घटना से होती है या वह स्थायी रूप से अपंग हो जाता है, तो यह बीमा कवर उनके परिवार को मिलता है।

❖ **3. लाभार्थी:** सभी पंजीकृत किसान और बटाईदार (शेयरक्रॉपर) इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

❖ **4. निशुल्क बीमा:** इसके लिए किसानों को कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ता।

❖ **लाभ:**

❖ इन योजनाओं से किसानों को न केवल आर्थिक सुरक्षा मिली है, बल्कि उनकी दैनिक जरूरतों और जोखिमों को कम करने में भी मदद मिली है।

- यह योजनाएँ राज्य में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों की स्थिति सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)
- भारत सरकार द्वारा 13 जनवरी 2016 को शुरू की गई एक प्रमुख योजना है।
- **उद्देश्य :–** किसानों को उनकी फसल के संभावित नुकसान के खिलाफ वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है।

❖ यह योजना प्राकृतिक आपदाओं, कीट संक्रमण और बीमारियों के कारण फसल की विफलता की स्थिति में किसानों को बीमा कवर प्रदान करती है।

❖ यह योजना यूपीएससी परीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण टॉपिक है, क्योंकि यह कृषि और ग्रामीण विकास से संबंधित है।

❖ **मुख्य बिंदु (Key Points)**

❖ **1. उद्देश्य:**

❖ फसल उत्पादन जोखिम को कम करना।

Result Mitra

- किसानों को आत्मनिर्भर बनाना।
- कृषि को टिकाऊ बनाना।
- कृषि क्षेत्र में क्रेडिट प्रवाह को बढ़ाना।
- **2. लाभार्थी:**
- सभी किसान, चाहे वे किरायेदार हों, बटाईदार हों या भूमि के मालिक।

❖ **3. बीमा कवर:**

❖ प्राकृतिक आपदाएँ: जैसे सूखा, बाढ़, आंधी, ओलावृष्टि।

❖ कीट और बीमारियाँ: फसलों को होने वाले नुकसान।

❖ फसल कटाई के बाद का नुकसान: 14 दिनों तक अगर कटाई के बाद नुकसान होता है।

❖ **4. प्रीमियम दर:**

❖ खरीफ फसलों के लिए: 2%।

Result Mitra

- रबी फसलों के लिए: 1.5%।
- व्यावसायिक और बागवानी फसलों के लिए: 5%।
- शेष प्रीमियम केंद्र और राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।
- **5. कवर की गई फसलें:**
- खरीफ: चावल, मक्का, सोयाबीन आदि।
- रबी: गेहूं, सरसों, जौ आदि।

- व्यावसायिक: कपास, गन्ना, आलू आदि।
- **6. अंतर्गत प्रक्रियाएँ:**
- किसान का पंजीकरण।
- फसल नुकसान का आकलन।
- बीमा दावे का निपटान।
- **7. लाभ:**
- फसल नुकसान की स्थिति में तत्काल राहत।

Result Mitra

- किसानों की आय में स्थिरता।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास।
- **8. चुनौतियाँ:**
- बीमा कंपनियों द्वारा देरी से भुगतान।
- किसानों में जागरूकता की कमी।
- नुकसान के आकलन में पारदर्शिता की कमी।

Result Mitra

Q. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(a) किसानों को कृषि से संबंधित ऋण प्रदान करना
(b) फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देना
(c) कृषि क्षेत्र में आपदाओं से प्रभावित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना
(d) फसलों के लिए उन्नत बीज वितरण करना

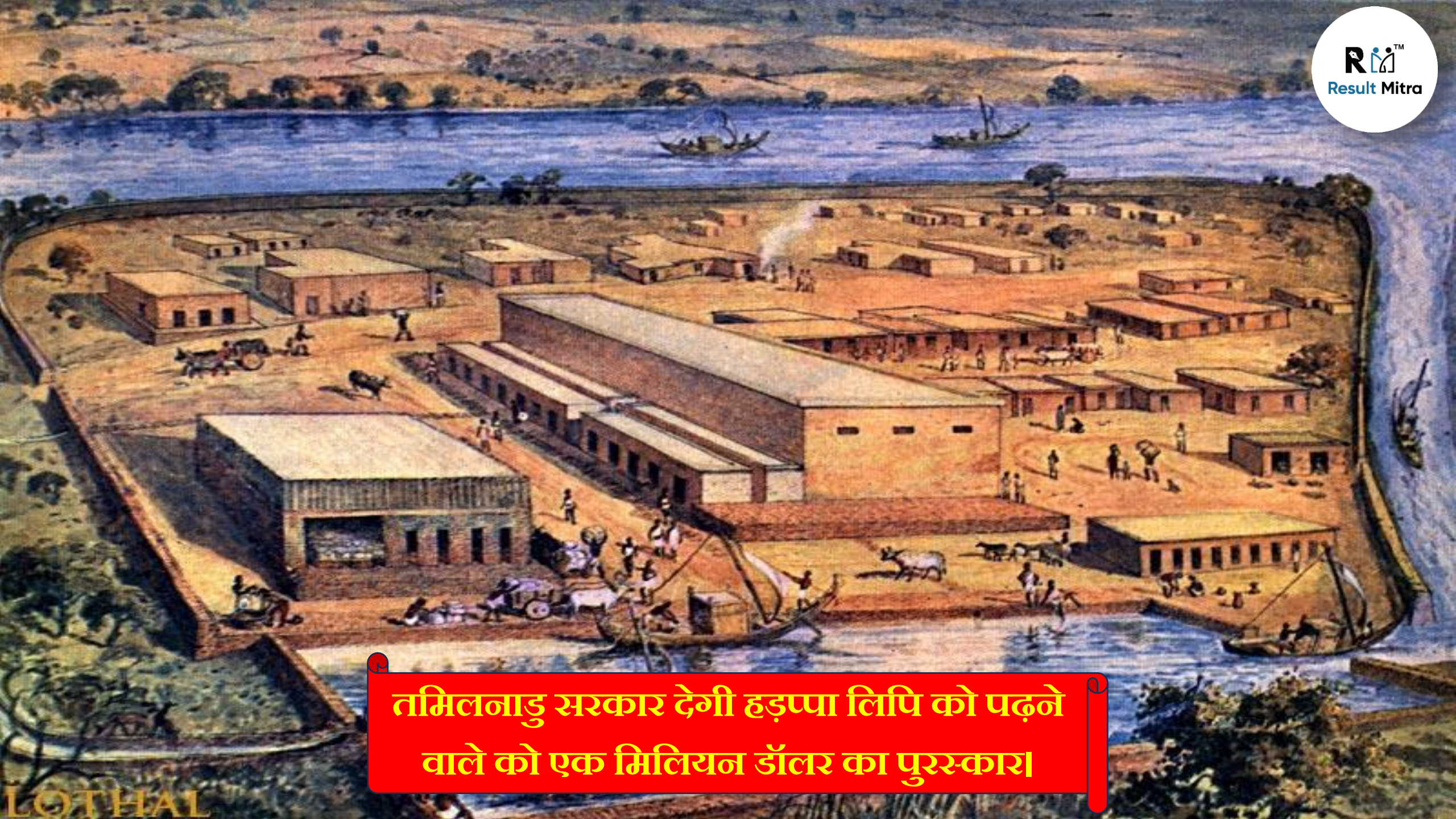

तमिलनाडु सरकार देगी हड़प्पा लिपि को पढ़ने वाले को एक मिलियन डॉलर का पुरस्कार।

- **तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने घोषणा की :–** सिंधु घाटी की लिपि एक सदी से भी अधिक समय से एक अनसुलझी पहेली बनी हुई है। जो भी इस भाषा को पढ़ने में सफल होगा उसको तमिलनाडु सरकार 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पुरस्कार देगी।

- यह घोषणा रविवार को तमिलनाडु के एग्मोर के सरकारी संग्रहालय में आयोजित सिंधु घाटी सभ्यता की खोज की शताब्दी समारोह के दौरान कही।

- यह एक तीन दिवसीय संगोष्ठी है जिसने दुनिया भर के प्रसिद्ध पुरातत्वविदों, इतिहासकारों और विद्वानों ने सभ्यता के महत्व और तमिलनाडु के साथ इसके संबंधों पर चर्चा की है।

Business Standard

Home Latest E-Paper Markets Auto Expo 2025 Opi Subscribe

Home / India News / CM Stalin announces $1 million prize for ...

CM Stalin announces $1 million prize for decoding Indus valley script

M K Stalin said here on Sunday and announced a prize of US dollar 1 million to those who decipher it

Result Mitra

❖ तमिलनाडु और सिंधु घाटी सभ्यता के बीच संबंध :–

❖ तूतीकोरिन के शिवकलाई से हुई हालिया खोज में मिली पुरातात्विक खोजों ने शोधकर्ताओं को तमिलनाडु और सिंधु घाटी सभ्यता के बीच एक निश्चित संबंध स्थापित करने के करीब ला दिया है।

❖ इन खोजों का समय निर्धारण उन्हें 2500 ईसा पूर्व और 3000 ईसा पूर्व के बीच रखता है।

❖ तमिलनाडु से एक लौह युग की सभ्यता की उपस्थिति का पता चलता है जो सिंधु घाटी सभ्यता के समानांतर चलती थी, जो 3300 ईसा पूर्व से 1300 ईसा पूर्व तक फैली थी।

- वहीं, सिंधु घाटी सभ्यता ने इस दौरान मुख्य रूप से तांबे की वस्तुओं का उपयोग किया था।
- सिंधु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization) प्राचीन भारतीय इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण सभ्यताओं में से एक है। यह सभ्यता मुख्यतः उत्तर-पश्चिम भारत और वर्तमान पाकिस्तान के क्षेत्रों में फैली हुई थी।
- इसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है।
- **मुख्य तथ्य**

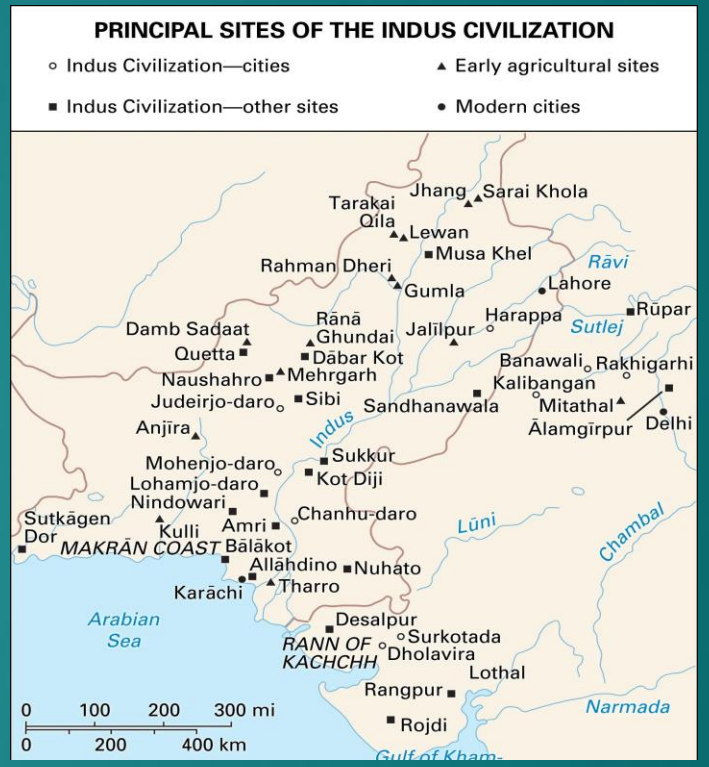

❖ 1. कालखंड:

❖ यह सभ्यता लगभग 2500 ई.पू. से 1750 ई.पू. के बीच अस्तित्व में थी।

प्रमुख स्थल हैं:

❖ हड़प्पा (पाकिस्तान)

❖ मोहनजोदड़ो (पाकिस्तान)

❖ कालीबंगन (राजस्थान, भारत)

Result Mitra

- लोथल (गुजरात, भारत)
- धोलावीरा (गुजरात, भारत)
- राखीगढ़ी (हरियाणा, भारत)

3. विशेषताएं:

- **शहरों का नियोजित निर्माण:**
- शहरों का ग्रिड सिस्टम, पक्की ईंटों से बनी इमारतें और जल निकासी व्यवस्था।

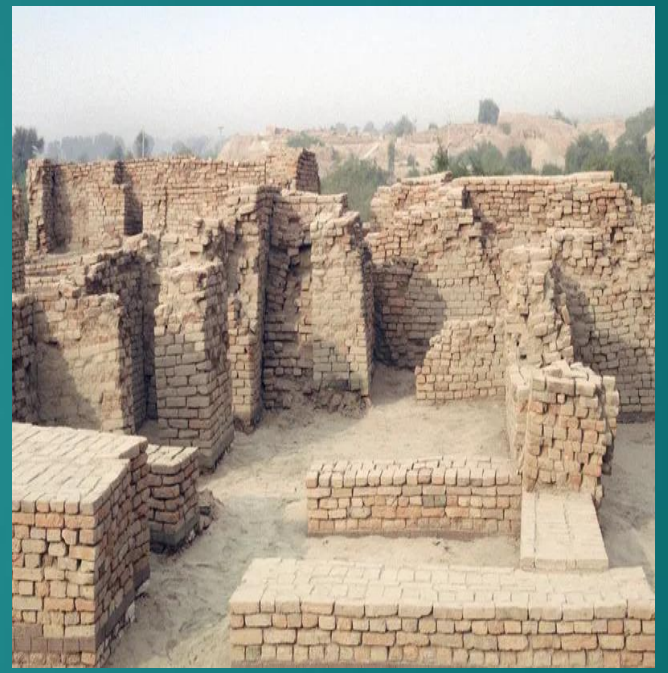

❖ **कृषि और पशुपालन:**
❖ मुख्य फसलें: गेहूं, जौ, सरसों।
❖ पालतू जानवर: गाय, भैंस, बकरी।

❖ **उद्योग और व्यापार:**
❖ प्रमुख उद्योग: मोहरें बनाना, मिट्टी के बर्तन, धातु का काम।
❖ व्यापार: मेसोपोटामिया और अन्य सभ्यताओं के साथ।

❖ **धार्मिक विश्वास:**
❖ पीपल के पेड़, शिवलिंग जैसे प्रतीकों की पूजा। मातृ देवी की पूजा का प्रमाण।

❖ **4. महत्वपूर्ण वस्तुएं:**

❖ नृत्य करती हुई लड़की की कांस्य मूर्ति (मोहनजोदड़ो)।

❖ पशुपति मुहर।

❖ ग्रेनरी (कालीबंगन और मोहनजोदड़ो)।

❖ **5. लिपि और भाषा:**

❖ इनकी लिपि अब तक पढ़ी नहीं जा सकी है।

❖ प्रतीकात्मक लिपि का उपयोग होता था।

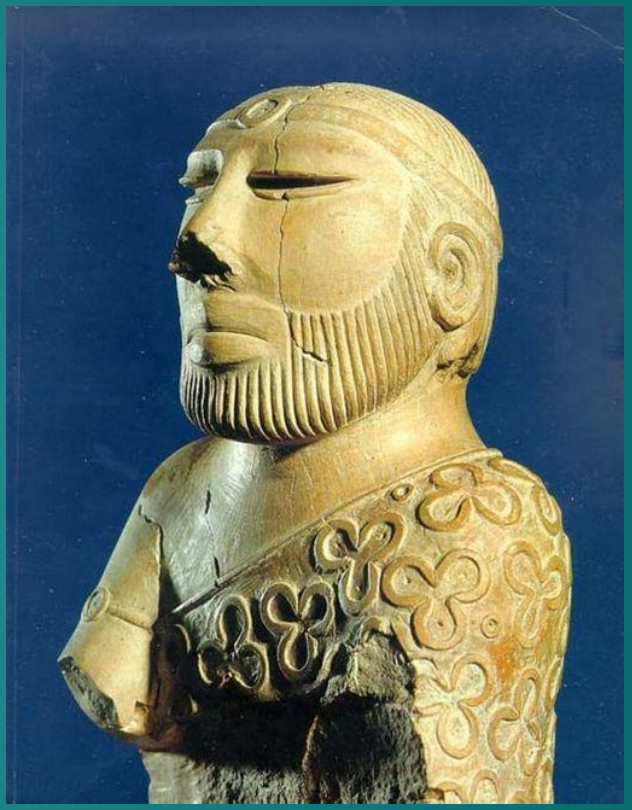

❖ **6. पतन के कारण:**

❖ पर्यावरणीय बदलाव।

❖ सरस्वती नदी का विलुप्त होना।

❖ विदेशी आक्रमण।

❖ आंतरिक सामाजिक और आर्थिक समस्याएं।

❖ हड़प्पा लिपि, सिंधु घाटी सभ्यता (2600-1900 ईसा पूर्व) की एक प्रमुख विशेषता है, और यह भारतीय इतिहास एवं पुरातत्त्व में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

❖ **हड़प्पा लिपि की प्रमुख विशेषताएँ:**

1. अज्ञात और अपठनीय लिपि:

❖ हड़प्पा लिपि अब तक पूरी तरह से पढ़ी नहीं जा सकी है।

❖ इसे डिकोड करने के कई प्रयास हुए हैं, लेकिन इसे समझने में सफलता नहीं मिली है।

2. लिपि की संरचना:

❖ यह चित्रात्मक (pictographic) प्रतीत होती है।

❖ इसमें 400-600 प्रतीक (symbols) हैं।

❖ लिपि दाएँ से बाएँ और कभी-कभी बाएँ से दाएँ लिखी जाती थी (बौस्ट्रोफेडन शैली)।

3. उपयोग के क्षेत्र:

❖ मोहरों (seals), बर्तन, धातु और पत्थरों पर खुदाई गई पाई गई है।

❖ इसका उपयोग व्यापार और प्रशासन में किया जाता था।

4. संकेत और प्रतीक:

- प्रतीक मानव, पशु, पेड़ और अन्य प्राकृतिक आकृतियों से संबंधित हैं।
- सबसे अधिक प्रयुक्त प्रतीक मछली, तीर, और क्रॉस जैसे चिह्न हैं।

5. संभावित भाषाएँ:

- कुछ विद्वानों का मानना है कि यह प्रोटो-द्रविड़ियन या प्राचीन भारतीय भाषा से संबंधित हो सकती है।
- लेकिन कोई ठोस प्रमाण नहीं है।

❖ **हड़प्पा लिपि से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्य:**

❖ मोहरों पर पाए जाने वाले प्रतीक संभवत: वाणिज्य और धार्मिक उद्देश्यों से जुड़े थे।

❖ हड़प्पा लिपि से सभ्यता के सामाजिक और आर्थिक ढांचे के बारे में जानकारी प्राप्त करने की संभावना है।

❖ यूनेस्को ने हड़प्पा सभ्यता को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दी है।

Result Mitra

Q. हड़प्पा सभ्यता के पतन में जलवायु परिवर्तन की भूमिका के बारे में क्या विचार किया जाता है?

(a) अत्यधिक वर्षा और बाढ़ ने सभ्यता को प्रभावित किया
(b) सूखा और जलवायु परिवर्तन ने कृषि को प्रभावित किया
(c) जलवायु परिवर्तन से समुद्र का जल स्तर बढ़ा था
(d) कोई प्रभाव नहीं था

Result Mitra

WORLD TRADE ORGANIZATION

विश्व व्यापार संगठन (WTO) और मराकेश समझौते के 30 वर्ष

❖ **UPSC के लिए प्रासंगिकता:**

❖ **अर्थशास्त्र:** वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार।

❖ **अंतर्राष्ट्रीय संबंध:** वैश्विक संस्थाएं और उनके प्रभाव।

❖ **समसामयिक मुद्दे:** WTO और GATT के नियमों का प्रभाव।

❖ हाल ही में विश्व स्वास्थ संगठन ने मराकेश समझौते की 30वीं वर्षगांठ मनाई ।

❖ **मराकेश समझौता:–**

❖ उरुग्वे दौर की चर्चा (1986-94) के बाद 1994 में :– 123 देशों ने मराकेश (मोरक्को) नामक स्थान पर "मराकेश समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

❖ मराकेश समझौता के द्वारा ही 1995 में WTO की स्थापना एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में हुई थी।

❖ WTO की स्थापना "प्रशुल्क और व्यापार पर सामान्य समझौते (GATT)" की जगह की गई।

❖ GATT 1948 से विश्व व्यापार को विनियमित कर रहा था।

❖ **GATT (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) UPSC के लिए हिंदी में जानकारी**

❖ **परिचय:**

❖ GATT (General Agreement on Tariffs and Trade) एक बहुपक्षीय व्यापार समझौता था, जिसे 1948 में स्थापित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना और व्यापार बाधाओं जैसे टैरिफ (शुल्क), कोटा, और अन्य व्यापारिक प्रतिबंधों को कम करना था।

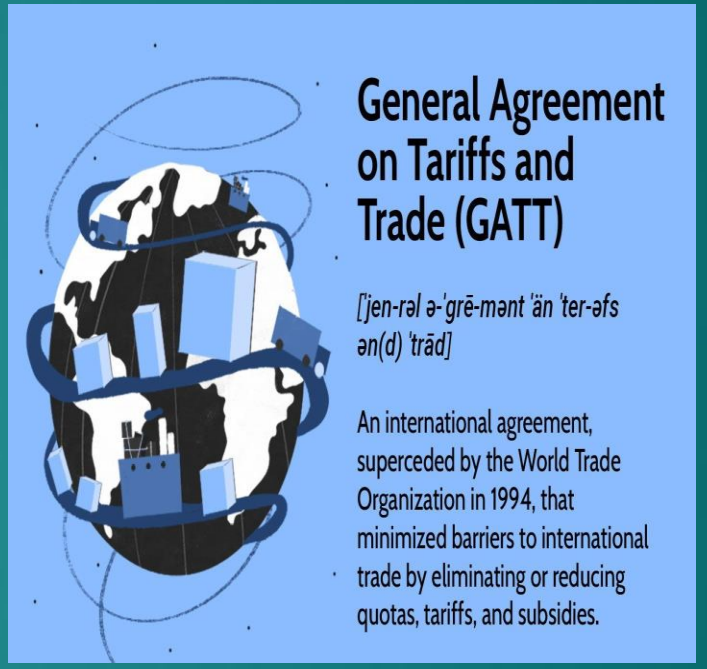

❖ **GATT का उद्देश्य:**

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को प्रोत्साहित करना।

2. शुल्क और व्यापार बाधाओं को कम करना।

3. गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार सुनिश्चित करना।

4. निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना।

❖ **GATT के प्रमुख सिद्धांत:**

1. गैर-भेदभाव (Non-Discrimination):

❖ सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (Most Favored Nation - MFN): सदस्य देश अपने किसी भी व्यापारिक साझेदार को दिए गए लाभ को सभी GATT सदस्यों को प्रदान करेंगे।

❖ राष्ट्रीय समानता (National Treatment): आयातित वस्तुओं को घरेलू वस्तुओं की तरह ही मान्यता दी जाएगी।

2. पारदर्शिता (Transparency):

❖ सभी व्यापारिक नीतियों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता रखी जाएगी।

3. पारस्परिकता (Reciprocity):

❖ सदस्य देशों को व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए आपसी सहमति से कार्य करना होगा।

Result Mitra

4. टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं का उन्मूलन:

❖ व्यापार को सरल और मुक्त बनाने के लिए।

❖ **GATT के प्रमुख दौर (Rounds):**

❖ **GATT के तहत कई दौर आयोजित किए गए, जिनमें प्रमुख हैं:**

1. जिनेवा दौर (1947): टैरिफ में कटौती।

2. केनेडी दौर (1964-67): एंटी-डंपिंग उपायों पर ध्यान।

Result Mitra

3. टोक्यो दौर (1973-79): गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना।

4. उरुग्वे दौर (1986-94): WTO की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया और कृषि, सेवा, बौद्धिक संपदा अधिकारों को शामिल किया।

❖ **WTO में परिवर्तन:**

❖ 1995 में GATT को विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization - WTO) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया। WTO ने GATT के दायरे को और बढ़ाया, जिसमें वस्तुओं के साथ-साथ सेवाएं और बौद्धिक संपदा अधिकार भी शामिल हुए।

❖ विश्व व्यापार संगठन (WTO) - UPSC के लिए हिंदी में जानकारी

❖ **परिचय:**

❖ विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization - WTO) एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो वैश्विक व्यापार के नियमों को नियंत्रित करता है।

❖ **स्थापना:** 1 जनवरी 1995

❖ **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विट्जरलैंड

- **सदस्य:** 164 देश (2025 तक)
- **भाषा:** अंग्रेजी, फ्रेंच, और स्पेनिश
- WTO का गठन GATT (टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता) के स्थान पर हुआ।
- **सदस्य:** भारत सहित 166 सदस्य हैं। ये देश वैश्विक व्यापार के 98% हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **उद्देश्य:**

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना।

2. व्यापार में गैर-भेदभावपूर्ण नीति लागू करना।

3. व्यापार विवादों का समाधान करना।

4. व्यापार प्रतिबंधों को कम करना।

5. विकासशील देशों को व्यापार में समर्थन देना।

❖ **मुख्य कार्य:**

1. व्यापार वार्ता आयोजित करना:

❖ WTO सदस्य देशों के बीच व्यापार नियमों को लेकर वार्ता करता है।

Result Mitra

2. विवाद निवारण प्रणाली:

- यदि देशों के बीच व्यापारिक विवाद उत्पन्न होते हैं, तो WTO उन्हें सुलझाने में मदद करता है।

3. व्यापारिक नियमों की निगरानी:

- सदस्य देशों की व्यापारिक नीतियों की समीक्षा और निगरानी करता है।

4. तकनीकी सहायता:

- विकासशील देशों को व्यापारिक क्षमता विकसित करने के लिए सहायता प्रदान करता है।

Result Mitra

❖ WTO के मुख्य सिद्धांत:

1. गैर-भेदभाव (Non-Discrimination):

❖ सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (MFN): सभी सदस्य देशों को समान व्यापारिक लाभ।

❖ राष्ट्रीय समानता (National Treatment): आयातित और घरेलू वस्तुओं को समान महत्व।

2. पारस्परिकता (Reciprocity):

❖ सदस्य देश आपसी सहमति से व्यापार बाधाओं को कम करें।

Result Mitra

3. पारदर्शिता (Transparency):

❖ व्यापारिक नीतियों में पारदर्शिता और स्पष्टता।

4. स्वस्थ प्रतिस्पर्धा:

❖ निष्पक्ष और खुला व्यापार सुनिश्चित करना।

❖ **WTO के समझौते:**

1. वस्त्र और वस्तुओं पर समझौता।

2. कृषि समझौता।

3. बौद्धिक संपदा अधिकार (TRIPS)।

4. सेवा व्यापार (GATS)।

5. ट्रेड-फेसिलिटेशन एग्रीमेंट (TFA)।

भारत और WTO:

1. विकासशील देश का दर्जा: भारत को WTO में विकासशील देश के रूप में मान्यता प्राप्त है।

2. कृषि: भारत ने WTO में कृषि सब्सिडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर अपनी स्थिति स्पष्ट की है।

3. डिजिटल ट्रेड: भारत ने डेटा लोकलाइजेशन और डिजिटल व्यापार पर अपनी चिंताओं को WTO में व्यक्त किया।

4. विवाद:

- ❖ कृषि सब्सिडी को लेकर विवाद।
- ❖ कॉपिराइट और बौद्धिक संपदा अधिकार (TRIPS) पर चर्चा।

WTO और GATT में अंतर:

WTO और GATT में अंतर:

मुद्दा	WTO	GATT
प्रकृति	स्थायी संगठन	एक समझौता
शामिल क्षेत्र	वस्त्र, सेवा, बौद्धिक संपदा	केवल वस्त्र व्यापार
विवाद समाधान प्रणाली	मजबूत और बाध्यकारी	कमजोर और गैर-बाध्यकारी

WTO की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- व्यापार-संबंधी निवेश उपायों पर समझौता (TRIMS):
- बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं पर समझौता (TRIPS):

कृषि पर समझौता (AOA):

अन्य:

- सैनिटरी और फाइटोसैनिटरी उपायों पर समझौता (SPS),
- सेवाओं में व्यापार पर सामान्य समझौता (GATS), तथा
- प्रशुल्क एवं व्यापार पर सामान्य समझौता (GATT)।

Q. WTO के संदर्भ में 'स्पेशल एंड डिफरेंशियल ट्रीटमेंट' (Special and Differential Treatment) का क्या मतलब है?

(a) विकासशील देशों को व्यापारिक लाभ और छूट प्रदान करना
(b) विकसित देशों को प्राथमिकता देना
(c) व्यापार करों में समानता लाना
(d) केवल व्यापार विवादों को सुलझाना

THANK YOU

Result Mitra

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra